



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 309]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 4, 2010/ज्येष्ठ 14, 1932

No. 309]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 4, 2010/JYAISTHA 14, 1932

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 2010

सा.का.नि. 469(अ).—प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 30 की उप-धारा (2) के अनुच्छेद (ज क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है; नामतः :—

1. (1) इन नियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (संशोधन) नियमावली, 2010 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1956 में :—

(i) नियम 2 में—

(क) खंड (ग) “एक या अधिक राज्य सरकारें” शब्दों के पश्चात् आने वाले चिह्न “.” के लिए, चिह्न “;” प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ख) खंड (ग) के पश्चात्, निम्न खंड अंतर्विष्ट किए जाएंगे, नामतः :—

(घ) “जनता” का अर्थ है, निम्न व्यक्तियों से अन्यथा व्यक्ति :—

(i) प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह;

(ii) कंपनी के अनुषंगी तथा एसोसिएट

स्पष्टीकरण: इस खंड के प्रयोजनार्थ शब्द “प्रवर्तक” तथा “प्रवर्तक समूह” का वही अर्थ होगा जो उन्हें भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूंजी का निर्गम तथा प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2009 के तहत समनुदेशित किया गया है।

(ङ) “सार्वजनिक शोयरधारिता” का अर्थ है जनता द्वारा धारित कंपनी के इक्विटी शेयर तथा इसमें वे शेयर नहीं होंगे जो अभिरक्षक द्वारा विदेशों में निर्गत निक्षेपागार प्राप्ति के प्रति धारित हैं।

(ii) नियम 19 में—

उप-नियम (2) में, खंड (ख) के लिए, निम्न खंड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, नामतः—

“(ख) (i) कम्पनी द्वारा निर्गत इक्विटी शेयरों में रूपांतरणीय प्रत्येक श्रेणी या किस्म के कम से कम पच्चीस प्रतिशत इक्विटी शेयरों या डिबेंचरों की पेशकश तथा आवंटन जनता को किसी पेशकश दस्तावेज के अनुसार में की गई; अथवा

(ii) कंपनी द्वारा निर्गत इक्विटी शेयरों में रूपांतरणीय प्रत्येक श्रेणी या किस्म के कम से कम दस प्रतिशत इक्विटी शेयरों या डिबेंचरों की पेशकश तथा आवंटन जनता को किसी पेशकश दस्तावेज के अनुसार की गई यदि पेशकश मूल्य पर परिकलित कंपनी की पश्च निर्गम पूंजी चार हजार करोड़ रुपए से अधिक है :

बशर्ते कि चार हजार करोड़ रुपए से अधिक पश्च निर्गम पूंजी की अपेक्षा ऐसी कम्पनी पर प्रयोज्य नहीं होगी जिसका मसौदा पेशकश दस्तावेज प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (संशोधन) नियमावली, 2010 के आरंभ होने पर या उससे पूर्व भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के पास लंबित है, यदि वह ऐसे आरंभण की तिथि से पूर्व यथा प्रवृत्त प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1956 के नियम 19 के उप-नियम 2 के खंड (ख) में निर्धारित शर्तों को पूरा करती है;

आगे यह भी शर्त है कि उप-खंड (ii) में संदर्भित कम्पनी प्रतिभूतियों के सूचीयन की तिथि से आरंभ करते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तरीके से अपनी सार्वजनिक शेयरधारिता को कम से कम पांच प्रतिशत प्रतिवर्ष की सीमा तक बढ़ाते हुए उसे कम से कम पच्चीस प्रतिशत के स्तर पर लाएगी ।”

आगे यह भी शर्त है कि कम्पनी वर्ष में अपनी सार्वजनिक शेयरधारिता को पांच प्रतिशत से कम बढ़ा सकती है यदि ऐसी वृद्धि उस वर्ष में उसकी सार्वजनिक शेयरधारिता को पच्चीस प्रतिशत के स्तर पर ले आती है ।

(ख) उप-नियम (4) के लिए, निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः :—

“(4) सूचीयन के लिए आवेदन निम्न के संबंध में आवश्यक होगा :—

(क) कम्पनी की जनता को पेशकश की जाने वाली प्रतिभूतियों की किसी श्रेणी या किस्म के सभी नए निर्गम;

(ख) किसी कम्पनी की प्रतिभूतियों के किसी श्रेणी या किस्म के सभी आगामी निर्गम यदि कम्पनी की प्रतिभूतियों की ऐसी श्रेणी या किस्म पहले ही किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है ।”

(ग) उप-नियम (6क) में :—

(i) शब्द “सूचीयन” के पश्चात् शब्द “तथा सतत् सूचीयन” सन्निविष्ट किए जाएंगे;

(ii) परंतुक “हो” हटा दिया जाएगा;

(iii) नियम 19 के पश्चात्, निम्न नियम सन्निविष्ट किया जाएगा; नामतः :—

“सतत् सूचीयन अपेक्षा

19क (1) प्रत्येक सूचीबद्ध कम्पनी कम से कम पच्चीस प्रतिशत की सार्वजनिक शेयरधारिता का अनुरक्षण करेगी :—

बशर्ते कि कोई भी सूचीबद्ध कम्पनी जिसकी सार्वजनिक शेयरधारिता प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (संशोधन) नियमावली, 2010 के आरंभण पर पच्चीस प्रतिशत से कम है ऐसे आरंभण की तिथि से शुरू करते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तरीके से अपनी सार्वजनिक शेयरधारिता को कम से कम पांच प्रतिशत प्रतिवर्ष की सीमा तक बढ़ाते हुए उसे कम पच्चीस प्रतिशत के स्तर तक लाएगी।

आगे यह भी शर्त है कि कम्पनी वर्ष में अपनी सार्वजनिक शेयरधारिता को पांच प्रतिशत से कम बढ़ा सकती है यदि ऐसी वृद्धि उस वर्ष में उसकी सार्वजनिक शेयरधारिता को पच्चीस प्रतिशत के स्तर पर ले आती है।

(2) जहां किसी सूचीबद्ध कम्पनी में सार्वजनिक शेयरधारिता किसी भी समय पच्चीस प्रतिशत से कम हो जाती है, वहां ऐसी कम्पनी भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तरीके से ऐसी गिरावट की तिथि से अधिकतम बारह माह की अवधि के भीतर सार्वजनिक शेयरधारिता को पच्चीस प्रतिशत पर लाएगी ।”

[फा. सं. 5/35/2006-सीएम]

डॉ. के. पी. कृष्णन, संयुक्त सचिव

टिप्पणी : प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, दिनांक 21-2-1957, में पृष्ठ संख्या 619 पर सा.का.नि. 576, दिनांक 21 फरवरी, 1957 द्वारा प्रकाशित हुई और तत्पश्चात् 22-7-1967 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 14-7-1967 के सा.का.नि. 1096, दिनांक 10-6-1972 से पृष्ठ 1556 पर भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 3-6-1972 के सा.का.नि. 685, दिनांक 12-8-1972 से सा.का.नि. 959, दिनांक 8-8-1972, 8-11-1975 से 1-11-1975 के सा.का.नि. 2641, 23-11-1985 से दिनांक 11-11-1985 के सा.का.नि. 1083, दिनांक 15-11-1988 के सा.का.नि. 1070(अ), दिनांक 20-7-1987 के सा.का.नि. 666(अ), दिनांक 13-11-1992 के सा.का.नि. 870(अ), दिनांक 20-9-1993 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 20-9-1993 के सा.का.नि. 617(अ), भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 12-10-1994 के सा.का.नि. 749(अ), दिनांक 9-3-1995 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक

9-3-1995 के सा.का.नि. 121(अ), भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 27-3-1995 के सा.का.नि. 291(अ), 23-12-1996 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 23-12-1996 के सा.का.नि. 581(अ), भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 8-8-2000 के सा.का.नि. 654, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 8-8-2000 के सा.का.नि. 655(अ), 7-6-2001 के भारत के राजपत्र असाधारण भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 7-6-2001 के सा.का.नि. 415(अ), 28-8-2003 के भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 28-8-2003 के सा.का.नि. 696(अ), तथा दिनांक 10-6-2009 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 10-6-2009 के सा.का.नि. 395(अ) दिनांक 10-6-2009 की संशोधन अधिसूचनाओं द्वारा उसमें संशोधन किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th June, 2010

G.S.R. 469(E).—In exercise of the powers conferred by clause (ha) of sub-section (2) of Section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, namely :—

1. (1) These rules may be called the Securities Contracts (Regulation) (Amendment) Rules, 2010.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1956,—
(i) in rule 2,—
(a) clause (c), for the mark “.” occurring after the words “one or more State Government”, the mark “;” shall be substituted;
(b) after clause (c), the following clauses shall be inserted, namely :—
‘(d) “public” means persons other than—
(i) the promoter and promoter group;
(ii) subsidiaries and associates of the company.
Explanation : For the purpose of this clause of words ‘promoter’ and ‘promoter group’ shall have the same meaning as assigned to them under the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
(e) “public shareholding” means equity shares of the company held by public and shall exclude shares which are held by custodian against depository receipts issued overseas.’

(ii) in rule 19,—

- (a) in sub-rule (2), for clause (b), the following clauses shall be substituted, namely :—
“(b) (i) At least twenty five per cent of each class or kind of equity shares of debentures convertible into equity shares issued by the company was offered and allotted to public in terms of an offer document; or
(ii) At least ten per cent of each class or kind of equity shares or debentures convertible into equity shares issued by the company was offered and allotted to public in terms of an offer document if the post issue capital of the company calculated at offer price is more than four thousand crore rupees :

Provided that the requirement of post issue capital being more than four thousand crore rupees shall not apply to a company whose draft offer document is pending with the Securities and Exchange Board of India on or before the commencement of the Securities Contracts (Regulation) (Amendment) Rules, 2010, if it satisfies the conditions prescribed in clause (b) of sub-rule 2 of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1956 as existed prior to the date of such commencement :

Provided further that the company, referred in sub-clause (ii), shall bring the public shareholding to the level of at least twenty five per cent by increasing its public shareholding to the extent of at least five per cent per annum beginning from the date of listing of the Securities, in the manner specified by the Securities and Exchange Board of India.”

Provided further that the company may increase its public shareholding by less than five per cent in a year if such increase brings its public shareholding to the level of twenty five per cent in that year.

- (b) for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(4) An application for listing shall be necessary in respect of the following :

(a) all new issues of any class or kind of securities of a company to be offered to the public;

(b) all further issues of any class or kind of securities of a company if such class or kind of securities of the company are already listed on a recognised stock exchange.”

- (c) in sub-rule (6A),—

(i) after the word “listing” the words “and continuous listing” shall be inserted;

(ii) the proviso shall be omitted;

(iii) after rule 19, the following rule shall be inserted, namely :—

“Continuous Listing Requirement

19A.(1) Every listed company shall maintain public shareholding of at least twenty five per cent :

Provided that any listed company which has public shareholding below twenty five per cent on the commencement of the Securities Contracts (Regulation) (Amendment) Rules, 2010, shall bring the public shareholding to the level of at least twenty five per cent by increasing its public shareholding to the extent of at least five per cent per annum beginning from the date of such commencement, in the manner specified by the Securities and Exchange Board of India :

Provided further that the company may increase its public shareholding by less than five per cent in a year if such increase brings its public shareholding to the level of twenty five per cent in that year.

(2) Where the public shareholding in a listed company falls below twenty five per cent at any time, such company shall bring the public shareholding to twenty five per cent within a maximum period of twelve months from the date of such fall in the manner specified by the Securities and Exchange Board of India.”

[F. No. 5/35/2006-CM]

Dr. K. P. KRISHNAN, Jt. Secy.

Note : Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, page 619, dated 21-2-1957 vide No. SRO 576 dated the 21st of February, 1957 and was subsequently amended by the amendment Notification—G.S.R. 1096, dated 14-7-1967 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), w.e.f. 22-7-1967, G.S.R. 685, dated 3-6-1972 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), w.e.f. 10-6-1972 page 1556, G.S.R. to S.R. 959, dated 8-8-1972, w.e.f. 12-8-1972, G.S.R. 2641, dated 1-11-1975 w.e.f. 8-11-1975, G.S.R. 1083, dated 11-11-1985 w.e.f. 23-11-1985, G.S.R. 1070(E), dated 15-11-1988, G.S.R. 666 (E), dated 20-7-1987, G.S.R. 870 (E), dated 13-11-1992, G.S.R. 617 (E), dated 20-9-1993, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), w.e.f. 20-9-1993, G.S.R. 749 (E), dated 12-10-1994, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i), G.S.R. 790 (E), dated 7-11-1994, G.S.R. 121 (E), dated 9-3-1995, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), w.e.f. 9-3-1995, G.S.R. 291 (E), dated 27-3-1995, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), G.S.R. 581 (E), dated 23-12-1996, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), w.e.f. 23-12-1996, G.S.R. 654 (E), dated 8-8-2000, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), G.S.R. 655 (E), dated 8-8-2000, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), G.S.R. 415 (E), dated 7-6-2001, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated 7-6-2001, G.S.R. 696 (E), dated 28-8-2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated 28-8-2003 and G.S.R. 395 (E), dated 10-6-2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated 10-6-2009.